हद होती है श्याम अब तो आजमाने की भजन लिरिक्स

हद होती है श्याम,
अब तो आजमाने की,
जान ही लोगे क्या,
बाबा तेरे दीवाने की,
हद होती हैं श्याम,
अब तो आजमाने की।bd।

इक तो पहले ही,
जमाने का सताया हूं मैं,
उस पर गम तेरी,
जुदाई का दे दिया तूने,
क्या खता है मेरी,
मुझको बताओ बाबा,
क्यों मेरे प्यार का,
ऐसा सिला दिया तूने,
हद होती हैं श्याम,
अब तो आजमाने की।bd।

मैं नहीं कहता मुझे,
चांद सितारे दे दे,
ना ही कहता मुझे,
गुलशन की बहारे दे दे,
मैं तो मांगू वही जो,
चाहे हारने वाला,
मेरा तो साथ तू,
हारे के सहारे दे दे,
हद होती हैं श्याम,
अब तो आजमाने की।bd।

जीतने वालों के कितने भी,
इम्तिहान ले ले,
हारने वालों के,
दिल से तू श्याम क्यों खेलें,
‘सोनू’ बतला भी दे,
हम जैसे बेसहारों की,
डूबती कश्तियां,
तू नाव को भी संभालें,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हद होती हैं श्याम,
अब तो आजमाने की।bd।

हद होती है श्याम,
अब तो आजमाने की,
जान ही लोगे क्या,
बाबा तेरे दीवाने की,
हद होती हैं श्याम,
अब तो आजमाने की।bd।

स्वर – राजू मेहरा जी।
प्रेषक – ऋषि कुमार विजयवर्गीय।
7000073009

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com